सांध्य दैनिक 4PM

यदि आप दूसरों की मदद कर सकते हैं, तो अवश्य करें, यदि नहीं कर सकते हैं तो कम से कम उन्हें नुकसान नही पहुचाइए।

–दलाई लामा

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 93 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, सोमवार, 8 मई, 2023

भाजपा विधायक राणे का दावा, जल्द... 7 | खिसक जाएगा बीजेपी के हाथों... 3 | कर्नाटक में लिखी जाएगी भाजपा... 2

दुर्घटना की भेंट चढ़ा मिग-21 , तीन की मौत

» राजस्थान के हनुमानगढ़ में मकान की छत पर गिरा विमान, पायलट सुरक्षित

» विमान ने सूरतगढ़ से उड़ान भरी थी

» जुलाई में बाड़मेर में हुआ था हादसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के हनुमानगढ़ में सोमवार को भारतीय वायु सेना का मिग-21 जेट दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे तीन ग्रामीणों की मौत हो गई। सेना का हेलीकाप्टर बचाव के लिए दुर्घटनास्थल पर पहुंच गया है। वायु सेना सूत्रों के मुताबिक, विमान ने सूरतगढ़ से उड़ान भरी थी।जिलाधिकारी रुक्मणी रियार ने कहा कि मिग-21 जेट के दोनों पायलट सुरक्षित हैं। जेट हनुमानगढ़ के डाबली इलाके के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

वहीं, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जस्साराम बोस ने कहा कि दो नागरिकों के हताहत होने की सूचना है। मरने वाले तीनों नागरिक महिलाएं हैं। इससे पहले, 28 जुलाई को राजस्थान के बाड़मेर जिले के पास जुड़वां सीटों वाले मिग-21 ट्रेनर विमान के दुर्घटनाग्रस्त होन में दो पायलटों की मौत हो गई थी। भरतपुर में भी एक प्रशिक्षण अभ्यास के दौरान भारतीय वायु सेना के दो लड़ाकू जेट सुखोई एसयू-30 और एक मिराज 2000 के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद एक पायलट की जान चली गई थी।

अरुणाचल में सेना के दो हेलीकॉप्टर हुए थे क्रैश

पिछले साल अक्टूबर में अरुणाचल प्रदेश में सेना के हेलीकाप्टर के क्रैश होने की दो घटनाएं सामने आई थीं। पांच अक्टूबर 2022 को अरुणाचल प्रदेश के तवांग क्षेत्र के पास एक हेलीकाप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिससे भारतीय सेना के पायलट की मौत हो गई थी। इसके ठीक एक पखवाड़े के बाद 21 अक्टूबर को ऊपरी सियांग जिले में तूतिंग मुख्यालय से 25 किलोमीटर दूर सियांग गांव के पास भारतीय सेना के एविएशन एडवांस लाइट हेलीकॉप्टर (वेपन सिस्टम्स इंटीग्रेटेड)-एएलएस डब्ल्यूसीआई के दुर्घटनाग्रस्त होने से पांच सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई।

राजे पर खुलासे से राजस्थान में सियासी तूफान

गहलोत ने अपनी सरकार को बचाने में बताई अहम भूमिका

भाजपा हमेशा करती है चुनी सरकार गिराने की साजिश

» राजस्थान सीएम के नए दावे पर भड़कीं वसुंधरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत के बयान के बाद वहां सियासत में तूफान आ गया है। मुख्यमंत्री का ये दावा 2020 में हुई उनकी पार्टी में बगावत से जुड़ा है। जिसमें उन्होंने पूर्व सीएम वसुंधरा राजे को लेकर कमेंट किया है। गहलोत ने एक बयान में कहा कि मेरी सरकार 2020 के राजनीतिक संकट से इसलिए बच गई क्योंकि वसुंधरा राजे और कैलाश मेघवाल ने इस साजिश का समर्थन नहीं किया।

हालांकि, अशोक गहलोत के इस दावे पर दिग्गज बीजेपी नेता वसुंधरा राजे ने पलटवार कर दिया है। उन्होंने कहा कि सीएम गहलोत चुनाव हारने के डर से झूठ बोल रहे हैं। उन्होंने बताया कि जब राजस्थान में बीजेपी की सरकार थी और भैरोंसिंह शेखावत मुख्यमंत्री थे। तब बीजेपी के तत्कालीन (अब दिवंगत) विधायक भंवरलाल शर्मा ने भैरोंसिंह शेखावत सरकार को गिराने का षडयंत्र रचा था। अशोक गहलोत ने बताया कि उन दिनों वो राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष थे। गहलोत के मुताबिक, बीजेपी के नेताओं ने उनसे संपर्क किया लेकिन वे चुनी हुई सरकार को गिराने के समर्थन में नहीं थे। ऐसे में सरकार बच गई।

पायलट खेमे पर भी अटैक, लौटाएं शाह का पैसा

इससे पहले राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रविवार को सचिन पायलट खेमे पर तीखा हमला किया। उन्होंने इस आरोप को दोहराया कि 2020 में हुई उनकी सरकार के खिलाफ बगावत में इन विधायकों ने बीजेपी से करोड़ों रुपये लिए थे। अशोक गहलोत ने पायलट खेमे के विधायकों को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को पैसा लौटाने की सलाह भी दी। धौलपुर के पास एक महंगाई राहत शिविर को संबोधित करते हुए गहलोत ने पायलट खेमे के विधायकों पर सरकार गिराने के लिए बीजेपी से पैसा लेने का आरोप लगाकर राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया। उन्होंने कहा, उस समय हमारे विधायकों को 10 से 20 करोड़ रुपये बांटे गए थे। वह पैसा अमित शाह को लौटाया जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि मैंने 10-20 करोड़ रुपये लेने वाले हमारे विधायकों से भी कहा कि अगर उन्होंने कुछ पैसे खर्च किए हैं, तो मैं वह हिस्सा दूंगा। मैं इसे पार्टी आलाकमान से प्राप्त करूंगा। आप अमित शाह को पैसा वापस दें।

मेरे खिलाफ कर रहे साजिश : वसुंधरा राजे

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान पर राजस्थान की पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने करारा अटैक किया है। उन्होंने कहा, मेरे खिलाफ अशोक गहलोत का बयान एक साजिश है। उन्होंने जितना मेरा अपमान किया है, उतना कोई भी मेरा अपमान नहीं कर सकता। वह 2023 के विधानसभा चुनाव में हारने के डर से झूठ बोल रहे हैं। उन्होंने इस तरह के झूठे आरोप लगाए क्योंकि वह अपनी ही पार्टी में बगावत से बौखलाए हुए हैं।

अंदरूनी लड़ाई जीतने के लिए गलत तरीका अपना रहे सीएम : गजेंद्र सिंह शेखावत

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान पर पलटवार किया है। शेखावत ने कहा,गहलोत नंबर एक के झूठे हैं। इतने ही सच्चे हैं तो करोड़ों लेने वालों पर केस क्यों नहीं दर्ज कराया अब तक? ये कांग्रेस की अंदरूनी लड़ाई है, जिसे जीतने के लिए गहलोत जी हर नाजायज तरीका इस्तेमाल कर रहे हैं, वे अपने विरोधी खेमे को गद्दार साबित करना चाहते है।

कर्नाटक में लिखी जाएगी भाजपा के पतन की कहानी : अखिलेश

» बोले-सत्ता से हटाने में समाजवादियों की भूमिका होगी अहम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कर्नाटक के शिमोगा में यूपी के पूर्व सीएम व सपा प्रमुख ने भाजपा पर ताबड़तोड़ हमला किय। उन्होंने कहा कि जनता ने भी बदलाव के लिए अपना मन पूरी तरह से बना लिया है। उन्होंने यहां दो टूक शब्दों में कहा कि विधानसभा चुनाव में भाजपा के पतन की कहानी कर्नाटक लिख चुका है। यहां परिवर्तन होकर रहेगा।

उन्होंने कहा कि भाजपा राज में महंगाई, भ्रष्टाचार और अन्याय चरम पर है। लोग परेशान है। समाज का हर वर्ग भाजपा से क्षुब्ध हैं। भाजपा को सत्ता से हटाने के लिए अब समाजवादियों की भूमिका भी रहेगी। अपने तीन दिवसीय कर्नाटक दौरे के अंतिम दिन को शिमोगा के सोहराब तालुका में रोड-शो के अलावा एक जनसभा को भी सम्बोधित किया। सपा अध्यक्ष ने कहां कि भाजपा ने हमेशा मौका परस्ती की है जबकि समाजवादी पार्टी ने नैतिकता और मूल्यों की रक्षा के लिए कार्य किया है । जो ताजा सर्वे आए हैं उनसे कर्नाटक में भाजपा के कामकाज को 50 प्रतिशत से ज्यादा लोगों ने बुरा बताया है और मात्र 29 प्रतिशत लोग संतुष्ट हैं। जनता के बीच चुनाव में बेरोजगारी, विकास और खेती मुख्य मुद्दे बनकर उभर रहे हैं।

एक ही मतदाता सूची से हर चुनाव हो

समाजवादी पार्टी ने मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी का आरोप लगाया है। पार्टी ने हर चुनाव के लिए एक ही मतदाता सूची बनाने की मांग की है। पार्टी का तर्क है कि अलग-अलग मतदाता सूची होने से ज्यादा गड़बड़ी हो रही है। एक मतदाता सूची होने से आयोग को भी सहूलियत होगी और मतदाताओं को भी। इस संबंध में सपा ने राज्य निर्वाचन आयुक्त को पत्र भेजा है। सपा के सचिव राजेंद्र चौधरी ने आयोग को भेजे पत्र में नगर निकाय चुनाव में भाजपा के इशारे पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि चार मई को हुए चुनाव में मतदाता सूची में हर जगह गड़बड़ी मिली है। कहीं मृतकों के नाम पर वोटिंग की गई तो कहीं तमाम मतदाताओं के नाम काट दिए गए। वाराणसी में कश्मीरीगंज वार्ड में 48 मतदाताओं के पिता का नाम एक ही है। यह गड़बड़ी का प्रत्यक्ष प्रमाण है। आगरा में नौ लाख वोट गायब हो गए हैं। कई जगह ईवीएम से छेड़छाड़ की भी शिकायत मिली है। ऐसे में सपा की मांग है कि सभी चुनावों की एक ही मतदाता सूची बनाई जाए। दूसरे चरण के मतदान में मनमानी रोकी जाए।

वोट ने देने पर मंत्री ने दी घर गिराने की धमकी

समाजवादी पार्टी ने यूपी सरकार के मंत्री आशीष पटेल पर प्रधान को वोट दिलाने के नाम पर धमकी देने का आरोप लगाया है। इस संबंध में मुख्य निर्वाचन आयुक्त से सपा ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त से यूपी सरकार के मंत्री आशीष पटेल की शिकायत की है। इसमें आरोप लगाया है कि मिर्जापुर की छानबे विधानसभा सीट के उपचुनाव में मंत्री प्रधानों को धमका रहे हैं। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने बताया कि पूर्व सांसद अरविंद सिंह की ओर से भेजे गए शिकायती पत्र में आरोप लगाया गया है कि उपचुनाव में मंत्री ने लालगंज ब्लॉक के भाजपा मंडल अध्यक्ष रामबली गुप्ता के आवास पर प्रधानों को बुलाकर धमकाया है। ये भी आरोप लगाया है कि सपा समर्थक प्रधानों से अभद्र भाषा में कहा कि यदि सत्तापक्ष के प्रत्याशी को वोट देने और दिलाने का काम नहीं किया तो जैसे पतारकला के प्रधान अरविंद यादव का मकान गिरवा दिया, उसी तरह आपके साथ भी होगा। प्रधानों को जेल भेजने की भी धमकी दी गई है। उन्होंने मुख्य निर्वाचन आयुक्त से इस मामले का संज्ञान लेकर आशीष पटेल के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की है।

नफरत या विवाद करने वालों पर पाबंदी जरूरी : कमलनाथ

» कर्नाटक के कांग्रेस घोषणा पत्र में बजरंग दल पर प्रतिबंध की बात नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। सिवनी में मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम ने कमलनाथ ने कहा, मैं स्पष्ट कर देना चाहता हूं, कर्नाटक के चुनावी घोषणा पत्र में बजरंग दल को प्रतिबंधित करने की बात नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि यह बात तो सुप्रीम कोर्ट ने स्वयं कही है कि जो व्यक्ति या संस्था समाज में नफरत या विवाद की स्थिति पैदा करने का प्रयास करे उस पर सख्त कार्यवाही होनी चाहिए।

यही बात आम जनता चाहती है। सामाजिक सद्भाव को बिगाड़ने वालों पर सख्त कार्यवाही हो। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. कैलाश जोशी के बेटे और पूर्व मंत्री दीपक जोशी के कांग्रेस में शामिल होने पर कमलनाथ ने भाजपा पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि अभी यह ट्रेलर है। नाथ के इस बयान से कयास लगाए जाने लगे हैं कि चुनाव से पहले कुछ बड़ा हो सकता है।

प्रदेश बाल अपराध से लेकर आत्महत्या में नंबर वन

नाथ ने कहा कि देश की तस्वीर किसी से छुपी हुई नहीं है। बाल अपराध में देश में नंबर, दलित और आदिवासियों के खिलाफ होने वाले अत्याचार में देश में नंबर वन है। महिला आत्महत्या में और उत्पीड़न में देश में नंबर वन है। यह मेरे आंकड़े नहीं हैं। नाथ ने कहा कि यह केंद्र सरकार द्वारा जारी किए गए आकंड़े हैं। आज प्रदेश में बेरोजगारी चरम पर है। लगभग एक करोड़ युवा बेरोजगार हैं।

भ्रष्टाचार की सुनामी चल रही

कमलनाथ ने आरोप लगाया कि प्रदेश में भ्रष्टाचार की सुनामी चल रही है। ऊपर से नीचे तक भ्रष्टाचार की एक व्यवस्था बनी हुई है। 3.30 लाख करोड़ रुपये का कर्जा लिया गया है। प्रदेश सरकार से मैं पूछना चाहता हूं कि इससे सिवनी को क्या लाभ हुआ? यहां अस्पताल में विशेषज्ञ डॉक्टर नहीं है। बिजली-पानी की स्थिति चिंतनीय है। यह भाजपा सरकार के 18 सालों की हकीकत है।

दूसरे चरण के निकाय चुनाव के प्रचार में तेजी

» भाजपा, सपा, कांग्रेस व बसपा की जनसभाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। निकाय चुनाव के दूसरे चरण के 38 जिलों में प्रचार के लिए सभी पार्टियों ने जमकर ताकत झोंक दी है। सत्ता में बैठह भाजपा हो या सबसे बड़ा विपक्षी दल सपा, या बसपा, कांग्रेस हो या फिर छोटे-छोटे राजनीतिक दल सभी ने दूसरे चरण में ज्यादा से ज्यादा सीटे प्राप्त करने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा दिया है।

एक छोर पर मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री, सरकार के मंत्रियों और प्रदेश अध्यक्ष की चुनावी सभाएं होंगी। वहीं दूसरे छोर पर पार्टी के अग्रिम मोर्चे सम्मेलन और रैलियां निकालकर माहौल बनाएंगे। प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने दूसरे चरण के चुनाव के लिए वर्चुअल बैठक कर दो दिन धुआंधार प्रचार करने का आह्वान किया।

अलीगढ़ व मेरठ में गरजेंगे अखिलेश

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव 8 मई को अलीगढ़ और मेरठ में महापौर पद के प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभा करेंगे। इस दौरान वह रोड शो भी करेंगे। इसी तरह 9 मई को कानपुर में रोड शो करेंगे।

कर्नाटक में आज थम जाएगा चुनाव प्रचार का शोर

» 10 मई को होना है मतदान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कर्नाटक में चुनाव प्रचार का आज आखिरी दिन है। आज शाम पांच बजे चुनाव प्रचार का शोर थम जाएगा। आखिरी दन चुनाव प्रचार में सभी दलों ने ताकत झोंक दी है। चुनाव को लेकर बीजेपी और कांग्रेस सहित कई पार्टियां धुआंधार प्रचार में लगी हैं।

बेंगलुरु में कल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 10 किमी लंबा रोड शो किया। यह रोड शो 5 अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों से होकर गुजरा। पीएम के रोड शो के दौरान लोगों की भारी भीड़ नजर आई। सोनिया गांधी के संप्रभुता वाले बयान पर पीएम मोदी ने पलटवार किया। कांग्रेस का शाही परिवार देशहित के खिलाफ है।

नहीं हुआ शराब घोटाला, भाजपा, सीबीआई व ईडी ने रचा षड्यंत्र : आतिशी

» राउज एवेन्यू कोर्ट के ऑर्डर का दिया हवाला

» भ्रष्टाचार का एक भी सबूत नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के नेताओं ने शराब घोटाले के मामले में दावा किया है कि राउज एवेन्यू कोर्ट से भाजपा और सीबीआई-ईडी के गठजोड़ को जबरदस्त झटका लगा है। इतना ही नहीं, कोर्ट की टिप्पणी से साफ हो गया है कि दिल्ली में कोई शराब घोटाला नहीं हुआ है और न तो सीबीआई-ईडी के पास कोई सबूत है। उन्होंने भाजपा, सीबीआई व ईडी पर आप के खिलाफ षड्यंत्र रचने का आरोप लगाया।

मंत्री सौरभ भारद्वाज व आप की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ के साथ पार्टी मुख्यालय में मंत्री आतिशी ने संवाददाता सम्मेलन किया। उन्होंने कहा कि इस मामले में गिरफ्तार राजेश जोशी और गौतम मल्होत्रा को कोर्ट ने जमानत दे दी है। कोर्ट ने 85 पेज के आदेश में भाजपा और सीबीआई-ईडी की ओर से लगाए गए 100 करोड़ रुपये के घोटाले के आरोप को मनगढ़त बताया है। उन्होंने कहा कि कोर्ट का आदेश स्पष्ट कर देता है कि सीबीआई-ईडी के पास एक रुपये के भ्रष्टाचार का सबूत नहीं है।

केजरीवाल के बंगले के लिए 171 करोड़ किए गए खर्च : माकन

नई दिल्ली। कांग्रेस के अजय माकन ने दावा किया कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के बंगले के सौंदर्यीकरण में 45 करोड़ रुपये नहीं बल्कि तीन गुना यानी 171 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। अजय माकन ने कहा कि कि मुख्यमंत्री के आवासीय परिसर के विस्तार के लिए उनकी सरकार को उन अधिकारियों के लिए अतिरिक्त फ्लैट खरीदने पड़े जिनके घरों को या तो ध्वस्त करा दिया गया या खाली करा दिया गया। अजय माकन ने आरोप लगाया कि दिल्ली की जनता का 171 करोड़ रुपये का खर्चा कोविड के समय में खर्च किया गया। जब दिल्ली के लोग आक्सीजन के लिए तरस रहे थे, हॉस्पिटल को और बेड को तरस रहे थे। जब गरीब आदमी खाने को तरस रहे थे।अजय माकन ने दावा किया कि इस निर्माणाधीन परिसर में 22 ऑफिसर्स के फ्लैट हैं, जिन्हें तोड़ा और खाली कराया गया है। जिसकी भरपाई करने के लिए सरकार ने कॉमनवेल्थ गेम्स विलेज में करीब 126 करोड़ के 21 टाइप-5 फ्लैट खरीदे हैं।

खिसक जाएगा बीजेपी के हाथों से मध्य प्रदेश!

बीजेपी के अपने नेता पार्टी की कार्यशैली पर उठा रहे सवाल

- कई दिग्गज नेता कांग्रेस में जाने को तैयार
- कमलनाथ-दिग्विजय राज्य का कर रहे दौरा
- शिवराज से बढ़ रही नाराजगी
- पूर्व सीएम कैलाश जोशी के पुत्र ने बीजेपी पर किया जोरदार हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश में इसी वर्ष चुनाव है। आज कल जैसे भाजपा के नेता छोड़कर कांग्रेस में जा रहे है उससे लगता है कि इसबार भाजपा के शिवराज सरकार की वापसी मुश्किल हैं। पर अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। फिर भी जिस तरह अब भाजपा के नेता ही अपनी पार्टी के कार्यशैली पर सवाल उठा रहे हैं वह भी इशारा कर रहे है कि सब ठीक नहीं है। उधर कांग्रेस के कमलनाथ व दिग्विजय सिह भाजपा पर हमले का कोई मौका नही छोड़ रहे हैं। वे दोनों पूरे राज्य का दौरा कर कांग्रेस के पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

विधानसभा चुनाव के पहले मध्यप्रदेश में दल-बदल की राजनीति तेज हो गई है। यह पहला मौका है, जब बीजेपी से कांग्रेस में जाने वालों की लंबी लाइन दिखाई दे रही है। पूर्व मुख्यमंत्री कैलाश जोशी के बेटे और पूर्व मंत्री दीपक जोशी ने कांग्रेस की सदस्यता ले ली। बीजेपी-कांग्रेस दोनों ने ही अपनी तैयारी तेज कर दी है। मिशन 2023 के लिए कांग्रेस ने भाजपा में फुट डालकर टक्कर देने की रणनीति बनाई है। इसके लिए कांग्रेस भाजपा के नाराज और असंतुष्ट नेताओं को अपने साथ लाने पर काम कर रही है। भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस मुक्त अभियान की शुरुआत की थी। अब भाजपा कांग्रेस को मुक्त करने के बजाए युक्त होती जा रही है। सिंधिया के साथ भजापा में कांग्रेस के लोग आए, उनके कारण जगह-जगह तकरार की स्थिति है। अब भाजपा का मूल कैडर अपने आपको ठगा महसूस कर रहा है। क्योंकि जिनसे वह चुनाव लड़ते रहे, उनको ही अब इन्हें जिताने की जिम्मेदारी दी जा रही है। इस वजह से भाजपा कार्यकर्ता या तो घर बैठेगा या भीतरघात करेगा या कांग्रेस या अन्य दलों में चला जाएगा। क्योंकि 2023 चुनाव को भाजपा कार्यकर्ता अपने अस्तित्व की जंग मानकर चल रहे हैं। पार्टी के बड़े नेता इन खतरों को भांप रहे हैं लेकिन उनको अभी तक इसका समाधान नहीं मिला है।

पूर्व मुख्यमंत्री कैलाश जोशी का चित्र लेकर उनके पुत्र व पूर्व मंत्री दीपक जोशी शनिवार को पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के घर पहुंचकर कांग्रेस ज्वॉइन करेंगे। चुनावी साल में बीजेपी को करारा झटका देने के साथ दीपक जोशी ने बीजेपी पर कई तरह के आरोप भी लगाए हैं। शिवराज सरकार को कटघरे में खड़ा करते हैं। उन्होंने कहा कि बागली विधानसभा में 19 करोड़ से ज्यादा का भ्रष्टाचार हुआ, जिसे लेकर उनके द्वारा लगातार आवाज उठाई गई। मगर किसी ने ध्यान नहीं दिया। पूर्व मंत्री दीपक जोशी ने कहा, वह बीजेपी सरकार के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जब भी जाते थे, उन्हें सम्मान की कमी महसूस होती थी। पूर्व मंत्री दीपक जोशी ने कहा, वह बिना शर्त कांग्रेस ज्वॉइन किए। उन्होंने कांग्रेस से टिकट की मांग भी नहीं की है। पूर्व मंत्री दीपक जोशी ने एक और बड़ा आरोप लगाया, जहां पर पूर्व मुख्यमंत्री कैलाश जोशी बैठते थे, उन सभी ठिकानों को बीजेपी सरकार ने अतिक्रमण बताकर ध्वस्त कर दिया। उन्होंने कहा, इन दुकानों में बीजेपी से जुड़े पुराने कार्यकर्ता व्यापार करते थे। उन्होंने एक एक व्यक्ति का नाम बताकर अतिक्रमण के नाम पर दुकान हटाने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा, जहां पर पूर्व मुख्यमंत्री कैलाश जोशी कार्यकर्ताओं के साथ मुलाकात करते थे, उन सभी स्थानों को हटाने के लिए बीजेपी नेताओं ने प्रतिष्ठा का सवाल बना लिया था। उन्होंने अपनी पत्नी की पुण्यतिथि पर यह कदम उठाया। उन्होंने बड़ा आरोप भी लगाया कि पत्नी को कोरोना हुआ तो उसे अस्पताल में भर्ती करना था। उस समय सरकार के निर्देश थे कि दीपक जोशी जी जो बोले, वह नहीं सुनना है।

शिवराज जी जीरो है

दीपक जोशी ने मुख्यमंत्री के खिलाफ जमकर गुस्सा निकाला। उन्होंने कहा कि शिवराज जी जीरो हैं और मैं हीरो हूं। जिस कॉलेज में वह पढ़ते थे, मैं उसी कॉलेज का अध्यक्ष था। जिस पिच पर शिवराज सिंह चौहान बल्लेबाजी करते हैं, उसी पर मैं भी बल्लेबाजी करता हूं। शिवराज भले ही मुझे अपना छोटा भाई माने, लेकिन मैं उन्हें अपना बड़ा भाई नहीं मानता हूं। आज सरकार जनसंघ की विचारधारा पर नहीं चल रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि न खाऊंगा और न खाने दूंगा। यह लोगों ने उलटा सुन लिया। इन लोगों के घर पर बड़ी-बड़ी गाड़ियां हैं। शिवराज जी की संपत्ति साढ़े नौ करोड़ रुपये हो गई।

कांग्रेस इस प्लान पर काम कर रही

भाजपा में जाने वाले विधायकों के क्षेत्र में कांग्रेस का संगठन पूरी तरह खत्म हो गया। अब कांग्रेस को उन क्षेत्र में भाजपा को टक्कर देने वाले जिताऊ उम्मीदवार की तलाश है। इसके लिए भाजपा ने नई भाजपा को पुरानी भाजपा से टक्कर देने की रणनीति बनाई है। इसके लिए कमलनाथ और दिग्विजय सिंह दोनों लगातार प्रदेश में दौरे कर रहे हैं। वह, कांग्रेस की हारी सीटों के अलावा इन सीटों पर उम्मीदवार की तलाश कर रहे हैं। पार्टी सूत्रों का कहना है कि इसके लिए पार्टी भाजपा के जनाधार वाले नाराज नेताओं को साधने की कोशिश कर रही है। जिनको टिकट देकर नई भाजपा को टक्कर देने की रणनीति बनाई गई है।

विजयवर्गीय संगठन के काम करने के तरीके से नाराज

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय का एक बयान सामने आया है। जिसमें विजयर्गीय कह रहे है कि संगठन ने अपनी गलतियां ठीक नहीं की तो भाजपा ही भाजपा को हरा सकती है। भाजपा के वरिष्ठ नेता कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि मुझे कहने में कोई संकोच नहीं कि आज की तारीख में मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी को कांग्रेस नहीं हरा सकती। कांग्रेस में दम नहीं हैं। विजयवर्गीय आगे कहते है कि हां, यदि हमने संगठन की गलतियों को ठीक नहीं किया तो भाजपा ही भाजपा को हरा

सकती है। यह बात ठीक है कि हममें कुछ कमियां है, जिनको हम ठीक कर रहे हैं। भाजपा की चिंता नाराज, असंतुष्ट नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बढ़ा दी है। कांग्रेस से ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ 2018 में चुनाव जीते कई विधायक भाजपा में शामिल हुए। इस वजह से कमलनाथ के नेतृत्व वाली कांग्रेस की सरकार गिर गई थी। फिर भाजपा ने सरकार बना ली। इसके बाद कांग्रेस से आए विधायकों ने उपचुनाव में भाजपा की टिकट पर चुनाव में जीत दर्ज की। इसमें से अधिकतर शिवराज कैबिनेट में मंत्री हैं। इसके बाद उस क्षेत्र के पुराने भाजपा नेता अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं। वहीं, कांग्रेस का उनके क्षेत्र में संगठन पूरी तरह खत्म हो गया।

भाजपा में असंतुष्ट नेताओं की संख्या बढ़ेगी

हाटपिपलिया सीट से बीजेपी के विधायक रहे दीपक जोशी को पिछली बार कांग्रेस के मनोज चौधरी ने हरा दिया था। 2020 में सिंधिया के साथ मनोज चौधरी भी भाजपा में शामिल हो गए। उपचुनाव में दोबारा चुनाव जीत कर विधायक बन गए। अब 2023 में मनोज चौधरी ही भाजपा का चेहरा होंगे। अब दीपक जोशी ने कांग्रेस ज्वाइन करने का एलान कर दिया है। हालांकि उन्होंने चुनाव नहीं लड़ने की बात भी कही है। वहीं, अशोकनगर की मुंगावली सीट पर बृजेंद्र सिंह यादव भाजपा में शामिल हो गए थे। यहां से भाजपा से तीन बार के विधायक देशराज सिंह यादव रहे हैं। कुछ समय पहले उनके बेटे यादवेंद्र यादव ने कांग्रेस पार्टी ज्वाइन की है। ऐसे में उनका मुंगावली से चुनाव लड़ना तय माना जा रहा है। इसी तरह बदनावर से चुनाव लड़ने वाले भंवर सिंह शेखावत, ग्वालियर से अनुप मिश्रा के खुलकर नाराजगी की बात सामने आ रही है। जानकरों का कहना है कि आने वाले समय में भाजपा में असंतुष्ट नेताओं की संख्या बढ़ेगी।

कमलनाथ-दिग्विजय कर रहे मेहनत

दीपक जोशी के कांग्रेस के शामिल करने का अवसर बहुत भावुक था। कैलाश जोशी को राजनीति का संत कहा जाता था। उनकी इमानदारी के कसीदे पढ़े जाते थे। कमलनाथ ने इस अवसर पर कहा कि मैंने सरकार बचाने सौदा नहीं किया। मेरे पास एक विधायक आया कि मुझे पांच करोड़ रुपए मिले हैं। अभी 20 करोड़ और मिलेंगे। मैंने कहा- मौज करो। मैं कुर्सी बचाने के लिए मध्यप्रदेश और जनता से सौदा नहीं कर सकता। दीपक जोशी जी ने टिकट नहीं मांगा है। इसका फैसला स्थानीय लोग करेंगे। दीपक जी से हमारी अपेक्षा है कि आप पूरे प्रदेश में संदेश दें। इस पर दीपक बोले कि आप बोलेंगे तो मैं पदयात्रा कर लूंगा। कमलनाथ ने यह भी कहा कि आज का दिन कांग्रेस के लिए ही

नहीं, बल्कि राजनीति के लिए ऐतिहासिक है। आज के समय में राजनीति में इमानदार रहना मुश्किल है। राजनीति अपनी जगह है। सामाजिक मूल्य अपनी जगह है। मैं अपने भाई का स्वागत करता हूं। हम राजनीति के संत कैलाश जोशी जी की विरासत का सम्मान करते हैं। एक व्यक्ति जिसने राजनीति को अपना जीवन समर्पित कर दिया, उसका परिवार आज कांग्रेस नहीं बल्कि सच्चाई के साथ खड़ा है।

एमपी में भाजपा की स्थिति पांच पतियों की द्रौपदी जैसी हो गई है

पूर्व मंत्री दीपक जोशी के भाजपा छोड़कर कांग्रेस जॉइन करने के बीच भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद रघुनंदन शर्मा का बयान सामने आया है। शर्मा ने कहा कि प्रदेश में संगठन अपनी प्राथमिकताएं निर्धारित नहीं कर पा रहा है। इसी वजह से नुकसान हो रहा है। भाजपा के वरिष्ठ नेता रघुनंदन शर्मा ने निवास पर मीडिया से बातचीत में कहा कि सचमुच में कहीं ना कहीं संगठन को जिन कामों को प्राथमिकता देना चाहिए, उनकी प्राथमिकताएं निर्धारित नहीं कर पा रहा है। सरकार में बैठे लोगों को भी कार्यकर्ताओं के कामों को जितनी गंभीरता से लेना चाहिए, उतनी गंभीरता से वे नहीं ले रहे हैं। इसका नुकसान हो रहा है। शर्मा ने कहा कि जहां भाजपा में अब

हाईकमान जैसा बचा ही नहीं है। पार्टी में कोई हाईकमान है ही नहीं। पहले कुशाभाऊ ठाकरे और प्यारेलाल खंडेलवाल जैसे नेता थे, जो अंतिम निर्णय लेते थे। वे त्वरित विचार करके निर्णय लेते थे। उनके आदेश माने जाते थे और कार्यकर्ताओं को संतुष्ट करने का प्रयत्न होता था। शर्मा ने कहा कि मैंने सुना है कि इस प्रदेश में पांच-पांच प्रभारी हैं। पांच-पांच पति की द्रोपदी की जैसी दशा हुई, वैसी पार्टी की दुर्दशा हो रही है। यह पांच प्रभारी भी प्रभावशाली ढंग से संगठन चला रहे हों, ऐसा दिखता नहीं हैं। इसके कारण कहीं ना कहीं संवादहीनता की स्थिति पैदा हो रही है। यह संवादहीनता हमेशा नुकसान पहुंचाती है। यह संवादहीनता का ही परिणाम है। जैसा पार्टी छोड़कर जाने वाले कार्यकर्ताओं की बात है तो वर्तमान में दीपक जोशी का ही एक मामला है। मैंने उनको समझाने का प्रयास किया कि तुम अंधे कुएं में मत कूदो। समय तो बदलता रहता है। आज समय आपको उचित नहीं लग रहा है तो आपकी वरिष्ठता तो कायम रहेगी। लेकिन वह समझने को तैयार नहीं हैं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

इंसाफ की उम्मीद जगी

दिल्ली पुलिस ने धरना दे रहे पहलवानों के बयान लेने शुरू कर दिए हैं। अब उम्मीद है कि पहलवानों को इंसाफ मिल जाएगा। हालांकि पुलिस को पूरी इमानदारी से जांच करके दूध का दूध व पानी का पानी करना होगा। साथ ही ऐसा करना होगा ताकि दुबारा किसी भी खिलाड़ी को ऐसी परेशानी हो तो वह बेझझक पुलिस पर भरोसा कर सके। गौरतलब हो कि जंतर मंतर पर दो हफ्तों से पहलवानों का धरना जारी है। पहलवान कुश्तीमहासंघ अध्यक्ष बृज भूषण सिंह के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। ये मामला लगातार पेचीदा होता जा रहा है। पहलवानों के प्रदर्शन में तमाम विपक्षी पार्टियों के नेता, किसान नेता और खाप संगठन जुट रहे हैं। 23 अप्रैल से शुरू हुआ पहलवानों का दूसरे दौर का धरना खत्म होना तो दूर उलटे यह मामला और पेचीदा होता जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को इस मामले में कोई और व्यवस्था दिए बगैर सुनवाई समाप्त कर दी। हालांकि इसे मामले के मेरिट पर किसी तरह की टिप्पणी नहीं माना जा सकता। इस बीच, बुधवार रात जंतर-मंतर पर हुई पुलिस के साथ पहलवानों की झड़प के बाद माहौल और गरमा गया है। वैसे, इस मामले में दोनों का अपना पक्ष है।

जहां पहलवानों की तरफ से मानवीय नजरिया अपनाते हुए कहा जा सकता है कि बारिश के चलते जमीन गीली होने के कारण रात में अगर उनके लिए फोल्डिंग खाट का इंतजाम किया जा रहा था तो यह कोई ऐसी बात नहीं थी जो समझी न जा सके। लेकिन पुलिस की यह बात भी सही है कि जंतर-मंतर कोई ऐसी जगह नहीं है जहां कोई भी, कभी भी मनमाने ढंग से कुछ भी ले आए। वहां धरने पर बैठे लोगों को एक अनुशासन में रहना पड़ता है। उन्हें जरूरी वस्तुओं की सूची पुलिस को देनी पड़ती है, उसकी इजाजत लेनी पड़ती है। ऐसे में रात-बिरात किसी खास राजनीतिक दल से जुड़ा कोई विधायक बिना इजाजत वहां फोल्डिंग खाट लेकर पहुंच जाए तो ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों का उसे रोकना स्वाभाविक है। लेकिन फिर भी, इस मामले ने जितना अप्रिय मोड़ ले लिया, उसकी जरूरत नहीं थी। इसे बेहतर ढंग से निपटाया जा सकता था। दोनों तरफ से आरोप-प्रत्यारोप के बीच दिल्ली पुलिस ने मामले की निष्पक्ष और विश्वसनीय जांच की बात कही है, इस गतिरोध को दूर करने के कोई गंभीर प्रयास होते नहीं दिख रहे। आरोपों के घेरे में आए कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष भी मीडिया में अपनी बात कह रहे हैं, जिसका उन्हें हक है। लेकिन इससे बात कुछ आगे नहीं बढ़ रही। मूल सवाल यह है ही नहीं कि कौन सी राजनीतिक ताकतें इस मामले का कैसे इस्तेमाल कर रही हैं और किसका क्या स्वार्थ सध रहा है। बड़ा सवाल यह है कि जो आरोप महिला पहलवानों ने लगाए हैं, उनमें कितनी सचाई है।

“ गौरतलब हो कि जंतर मंतर पर दो हफ्तों से पहलवानों का धरना जारी है। पहलवान कुश्तीमहासंघ अध्यक्ष बृज भूषण सिंह के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। ये मामला लगातार पेचीदा होता जा रहा है। पहलवानों के प्रदर्शन में तमाम विपक्षी पार्टियों के नेता, किसान नेता और खाप संगठन जुट रहे हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

विकास के मुद्दों पर हावी तुष्टिकरण की राजनीति

योगेन्द्र योगी

कर्नाटक विधानसभा चुनाव प्रचार के शोर से आगामी लोकसभा चुनाव के हालात का अंदाजा लगाया जा सकता है। प्रचार के इस शोर में प्रदेश और देश के विकास के मुद्दे गौण हो चुके हैं। भाजपा और कांग्रेस सहित कई अन्य दलों ने एक-दूसरे के खिलाफ व्यक्तिगत लांछन लगा कर चुनाव की लोकतांत्रिक गरिमा को ठेस पहुंचाने का प्रयास किया है। चुनाव आयोग ने कांग्रेस और भाजपा के स्टार प्रचारकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। आयोग के मुताबिक, बीजापुर शहर से भाजपा उम्मीदवार व पार्टी के स्टार प्रचारक बासन गौड़ा आर पाटिल और चित्तपुर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार व पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे प्रियांक खड़गे को कारण बताओ नोटिस भेजा है। भाजपा उम्मीदवार बासन गौड़ा पाटिल ने कोप्पल जिले के यालबुर्ग इलाके में जनसभा में सोनिया गांधी को लेकर विवादित बयान दिया था। आयोग को ये भी शिकायत मिली कि कांग्रेस नेता प्रियांक खड़गे ने 30 अप्रैल को कलबुर्गी की जनसभा में प्रधानमंत्री को लेकर विवादित बयान दिया था।

हालांकि भाजपा और कांग्रेस ने चुनावी घोषणा पत्र जारी किए हैं। घोषणा पत्रों पर चर्चा करने के बजाय एक-दूसरे पर आरोप लगाकर मतदाताओं को दिग्भ्रमित करने की कवायद से कर्नाटक व देश को क्षति पहुंचाई जा रही है। वहीं इस चुनाव को विपक्षी एकता के लिहाज से यदि 'लिटमस टेस्ट' माना जाये तो आगामी लोकसभा चुनाव में ऐसी कवायद सिरे नहीं चढ़ने की सूरत नजर नहीं आती। प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस कर्नाटक में अपने बूते चुनाव लड़ रही है। जनता दल एस और आम आदमी पार्टी ने भी अपने उम्मीदवार उतारे हैं। ऐसे में विपक्षी एकता के प्रयास अभी दूर की कौड़ी लगते हैं। यद्यपि राष्ट्रीय स्तर पर न्यूनतम साझा कार्यक्रम तैयार करने के लिए बिहार के मुख्यमंत्री नितीश कुमार बेशक प्रयासरत हैं किन्तु कर्नाटक में विपक्षी दलों के बिखराव की हालत देख ऐसे प्रयासों की गंभीरता का अंदाजा लग सकता है। जिन राज्यों में क्षेत्रीय दलों का दबदबा है, उनमें ये दल विपक्षी एकता के लिए किसी दूसरे दल से सीटों पर समझौता करके जरा भी त्याग करने को तैयार नहीं हैं।

यही वजह कि कर्नाटक में जनता दल एस, कांग्रेस और आप चुनाव मैदान में हैं। विपक्षी दलों में एकता की कमी से भाजपा को पूर्व में भी चुनावी फायदा मिलता रहा है। कर्नाटक चुनाव में सत्तारूढ़ भाजपा, कांग्रेस तथा जनता दल एस ने घोषणा पत्रों में वादों की बौछार की है। इसके विपरीत चुनाव में विकास और समस्याओं के समाधान को दरकिनार कर

फिजूल के मुद्दे हावी हैं। भाजपा और कांग्रेस एक-दूसरे पर व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप लगाने में कसर नहीं छोड़ रहे हैं, ऐसे में घोषणा पत्र दिखावा साबित हो रहे हैं। घोषणा पत्रों पर सवाल-जवाब करने के बजाय अन्य मुद्दों पर बल देने से कर्नाटक में बुनियादी सुविधाओं के मसले दरकिनार हो गए। दरअसल विपक्षी दलों की जिम्मेदारी बनती है कि सत्तारूढ़ दल के कार्यकाल के दौरान छूट गए विकास कार्यों को मुद्दा बनाएं। निजी आरोपों और विकास विरोधी मुद्दों को हवा दे डाली। चुनाव प्रचार को बदरंग करने की शुरुआत प्रधानमंत्री मोदी पर निजी रूप से टिप्पणी करके की गई। इसके बाद दोनों तरफ से आरोप-प्रत्यारोपों की बाढ़ आ गई। दोनों दलों के नेता एक-दूसरे पर निजी हमले कर रहे हैं। विकास के मुद्दे दरकिनार कर दिए गए। कांग्रेस ने बजरंग दल के साथ पीएफआई पर प्रतिबंध जैसे बेबुनियाद मुद्दे को लाकर भाजपा को अपने बचाव के लिए बड़ा चुनावी प्रचार का हथियार थमा दिया। भाजपा ने अब इसे प्रमुख मुद्दा बना कर बजरंग बली से जोड़ दिया। धर्म से जुड़े ऐसे मुद्दों पर भाजपा पूर्व में कांग्रेस पर हावी रही है। कांग्रेस की इस तरह की चुनावी शुरुआत के साथ भाजपा खुल कर धार्मिक मसले पर सामने आ गई। विकास के बजाए अब इस मुद्दे पर वोटों का ध्रुवीकरण किया जा रहा है। बता दें कि कर्नाटक देश के विकसित राज्यों में शुमार है। इसके बावजूद पर्याप्त बुनियादी सुविधाओं का अभाव हर साल मौसम बदलने के साथ ही आम लोगों को झेलना पड़ता है। राजधानी बंगलुरू अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बतौर आईटी हब पहचान बना चुकी है। देश की प्रमुख आईटी कंपनियों के हजारों कर्मचारी यहां कार्यरत हैं। इसके अलावा दूसरे बड़े उद्योगों के कर्मचारी भी बड़ी संख्या में हैं। बारिश के मौसम में पिछले कई सालों से प्रदेश की राजधानी की हालत बाढ़ग्रस्त क्षेत्र जैसी हो जाती है। पिछले साल मानसून के दौरान हुई बारिश से लगभग पूरा बंगलुरू जलमग्न हो गया। नावों के जरिये लोगों को अपना बचाव करना पड़ा। यह शहर प्रदूषण की मार भी झेल रहा है। इससे निपटने के उपायों पर भी गंभीरता से प्रयास नहीं किए गए। ऐसे चुनावी मुद्दे प्रमुखता से उठाने के बजाय हाशिये पर धकेले जा चुके हैं। विपक्षी दलों के पास कर्नाटक के विकास से जुड़े इस तरह के दूसरे मुद्दों पर भाजपा को कठघरे में खड़ा करने का अच्छा मौका था। अब सत्तारूढ़ भाजपा को जवाबदेही से बचने का मौका मिल गया। वहीं कर्नाटक चुनाव के मद्देनजर संभावना कम ही है कि आगामी लोकसभा चुनाव में ऐसे मुद्दे विकास और देश के भविष्य की रूपरेखा का स्थान नहीं लेंगे।

चीन में नयी राजधानी : नेक्स्ट जनरेशन स्मार्ट सिटी

पुष्परंजन

उसे प्राचीनकाल में देवगिरी नाम से लोग जानते थे, जिसे दौलताबाद कहते हैं। महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में अवस्थित दौलताबाद को 11वीं सदी में भीलम नामक राजा ने बसाया था। दौलताबाद हमारे मुहावरों में है, और व्यंग्य में भी रच-बस गया है। वजह मुहम्मद बिन तुगलक है, जिसने अपनी राजधानी दिल्ली से हटाकर दौलताबाद में स्थापित की थी। जान-माल की हानि हुई, तो तुगलक ने दोबारा अपनी राजधानी दौलताबाद से दिल्ली ले आने का फैसला किया। उस घटना के बाद से फिर किसी भारतीय शासक ने दिल्ली से राजधानी कहीं और बसाने का जोखिम नहीं उठाया। मगर, चीन में ऐसी कवायद चल रही है। पेइचिंग से चीन की राजधानी का दूसरा हिस्सा सुदूर शिन्चियांग में सृजित करने का मेगा प्रस्ताव राष्ट्रपति शी के पास विचारार्थ है।

चीन की राजधानी पेइचिंग में आबादी और अधोसंरचना का भार कम हो, इस उद्देश्य से सरकार ने चार साल की एक मेगा परियोजना की शुरुआत की थी। सितंबर, 2019 में मेरी मुलाफात शंघाई के फूतान ताशुए (विश्वविद्यालय) में प्रोफेसर चोउ वेन से उनके किसी शोधार्थी के माध्यम से हुई थी। तब केवल इतना भर संकेत मिला था कि किसी स्मार्ट सिटी की परिकल्पना पर उनकी एक टीम काम कर रही है। किस इलाके को ध्यान में रखकर इस प्रोजेक्ट पर काम हो रहा है? उद्देश्य क्या है? मेरे इन सवालों पर प्रोफेसर चोउ वेन चुप्पी साध गये थे। इस प्रोजेक्ट से चेंगदू स्थित सिचुआन यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर मी चुन भी जुड़े, जो नगरीय योजना के नामी-गिरामी विशेषज्ञ माने जाते हैं। चार साल पहले फूतान यूनिवर्सिटी से जो ख़बर मैं ब्रेक कर सकता था, उसे चीन में भी किसी पत्रकार के हाथ नहीं लगने दिया गया।

अप्रैल, 2023 के अंतिम दिन सरकार ने ही यह जानकारी दी कि चीन में 'सेकेन्ड्री कैपिटल' के बनाने का प्रस्ताव आ चुका है। 'नेक्स्ट जनरेशन स्मार्ट सिटी' के रूप में दूसरी राजधानी शिन्चियांग में बनाना प्रस्तावित है। उरूम्छी को लगभग स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित किया जा चुका है। वह न्यू पेइचिंग से अधिक अल्ट्रा माडर्न लगता है। सिल्क रूट का हिस्सा रहा ऐतिहासिक नगर उरूम्छी पर्यटन की दृष्टि से पैसा बरसायेगा, इस बात को भी योजनाकारों ने ध्यान में रखा है। सुदूर पश्चिमी इलाके का शिन्चियांग जहां कठोर जलवायु, अत्यधिक तापमान, शुष्क रेगिस्तान और उच्च ऊंचाई वाले पठार दिखते हैं, वहां वैकल्पिक राजधानी कई सवालों को जन्म देती है। चीनी लीडरशिप में एक बात तो है कि वो 'पहली बार-पहली बार' का डंका नहीं पीटकर, बहुत दूर प्लानिंग करते हैं। 1 जुलाई, 2011 को ख़बर आई कि शिन्चियांग का चोंगछिंग, रेलमार्ग के जरिये जर्मनी के डूइसबर्ग से जुड़ चुका है। 11 हजार 179 किलोमीटर का यह सफर 16 दिनों में जब एक मालगाड़ी ने तय किया, तो यही संदेश गया था कि सेंट्रल यूरोप अब चीन के करीब आ चुका है। चीनी रेलगाड़ी के रास्ते में कजाकिस्तान, रूस, बेलारूस और पोलैंड आते हैं। चोंगछिंग रेल के जरिये शिन्चियांग की राजधानी उरूम्छी, लांगचोउ और शिआन से भी जुड़ा है। 2011 में हू चिन्थाओ चीन के राष्ट्रपति थे, शी नवंबर, 2012 के बाद सत्ता में आये, मगर उन्होंने अपने पूर्ववर्ती की परिकल्पना को आगे बढ़ाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। चीन यदि आगे बड़ा है, तो उसके पीछे के कई कारणों में से एक यह भी है कि वहां किसी महत्वाकांक्षी परियोजना को लीडरशिप में हो रही प्रतिस्पर्धा के बावजूद पटरी से नहीं उतारते।

शिन्चियांग कुख्यात रहा है उईगर मुसलमानों के दमन के कारण। क्या इस दाग को भी चीनी लीडरशिप धोना चाहती है? आधिकारिक रूप से ऐसा कुछ कहा नहीं गया है, मगर यह संकेत अवश्य मिला कि शिन्चियांग में ऐसा करके आबादी के असंतुलन को दूर करेंगे। हान जाति के लोगों को बढ़ावा देने वाली विसंगतियों को भी चीनी सत्ता प्रतिष्ठान दूर करना चाहता है। हान और उईगुर के बीच फसाद होते रहते हैं। विकास की नई बयार आने पर यह सब रुकेगा। उद्योग और अधोसंरचना में तरक्कीपसंद लोगों की शिरकत से पूरे शिन्चियांग की सूरत बदलेगी, चीनी लीडरशिप ऐसी सोच को लेकर इस प्रोजेक्ट को साकार करना चाहती है। पेइचिंग में आबादी का घनत्व सबसे अधिक सरकारी आवाजाही में दिक्कत दरपेश करता है, इसे दशकों से महसूस किया गया है।

पेइचिंग में दो करोड़ 20 लाख की आबादी बेदम करती है। जो नया पेइचिंग निर्माणाधीन है, उसे भी ठसाठस होने में कुछ ही वर्ष लगेंगे। सरकार का इरादा बन चुका कि इस देश में 'सेकेन्ड्री कैपिटल' आने वाले दिनों की जरूरत है। ठीक वैसे ही जैसे 6 नवंबर, 2005 को म्यांमार में यांगून के बाद न्ये पी-दो को नई राजधानी के रूप में विकसित कर लिया गया। ब्राजील, कजाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका ने भी राजधानियों को तकसीम किया है। इन देशों ने कई मंत्रालयों को राजधानी पार्ट-टू में शिफ्ट कर एक तो आबादी का भार कम किया, नई राजधानियों में कुछ नये कॉन्सेप्ट डेवलप किये। फूतान यूनिवर्सिटी में इतिहास के प्रोफेसर याओ ताली बताते हैं कि हान (25 से 220 ईस्वी) और थांग वंशी राजाओं (618-907 ईस्वी) के समय छांगान (आज का शिआन) और सुदूर पूर्व स्थित प्राचीन नगर लुओयांग के बीच दो राजधानियों को विकसित किया गया था। पेइचिंग 1264 से 1267 के कालखंड में चीन की राजधानी बनी। मिंग शासन के समय 1421 में नानचिंग से राजधानी को पेइचिंग शिफ्ट किया गया, जिसे 1912 तक छेड़ा नहीं गया।

गर्मी में शरीर को ठंडा रखने के लिए करें ये आसन

गर्मियों में तापमान बहुत अधिक बढ़ जाता है। तेज धूप और उमस वाली गर्मी के कारण कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं। भीषण गर्मी के कारण हीट स्ट्रोक और थकावट जैसी समस्याएं काफी अधिक महसूस होने लगती हैं। साथ ही लू लगने से भी तबीयत खराब हो सकती है। विशेषज्ञ लू या हीट स्ट्रोक से बचाव के लिए शरीर को हाइड्रेट रखने की सलाह देते हैं। इसके लिए पानी, जूस, खीरा और फलों के सेवन करना चाहिए। हालांकि जब लोग धूप में लंबे समय के लिए रहते हैं या कोई थकावट वाला काम जैसे एक्सरसाइज आदि करते हैं, तब भी हीट स्ट्रोक होने की संभावना बढ़ जाती है। अगर सही समय पर इसका उपचार न किया जाए तो स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। गर्मियों को खुद को हाइड्रेट रखने के साथ ही बढ़ते तापमान में शरीर को ठंडा रखने की जरूरत होती है। शरीर का तापमान बढ़ने से रोकने और बहुत अधिक गर्मी महसूस होने से बचने के लिए कुछ योगासनों का अभ्यास नियमित तौर पर करना चाहिए। योग हीट स्ट्रोक, लू और थकावट जैसी समस्याओं से राहत पहुंचा सकता है। बढ़ते तापमान के बीच शरीर को ठंडा रखने के लिए गर्मियों में इन योगासनों को करना चाहिए।

भ्रामरी प्राणायाम

इस आसन करने के लिए सीधे बैठकर कान और आंख को क्रमशः मध्यमा और अनामिका उंगली से बंद करें। अब तर्जनी को माथे पर कनिष्ठिका को ठोढ़ी पर रखकर ओम का उच्चारण करें। बैठने के लिए आप पद्मासन, सिद्धासन अथवा वज्रासन का प्रयोग कर सकते हैं। एक लंबी गहरी सांस लेकर भीतर कुछ देर रोकें फिर मुंह से बाहर छोड़ दें। सांसों के कुछ देर अभ्यास से मन शांत, शरीर शिथिल एवं चित्त वर्तमान में लाकर भ्रामरी प्राणायाम के लिए तैयार हो जाएं।

बद्ध कोणासन

बद्ध कोणासन शरीर को ठंडा रखने में मदद करता है। इस आसन के अभ्यास से थकान व तनाव की समस्या नहीं होती और साइटिका व हार्निया में भी फायदा मिलता है। इस आसन को करने के लिए पैर सीधा करके बैठ जाएं। तितली आसन की तरह घुटने मोड़कर तलवे को एक दूसरे से टच कराएं। घुटनों को नीचे की ओर जमीन छूनें तक दबाएं। इस दौरान दोनों पैरों को हाथों से पकड़ें। ध्यान रखें कि शरीर के लचीले होने तक इस आसन को करें। अपने पैरों को सीधा सामने फैलाकर बैठें। आप इस मुद्रा में 1 से 5 मिनट तक बने रह सकते हैं। सांस लें और अपने घुटनों को ऊपर उठाएं, और पैरों को अपनी मूल स्थिति में वापस लाएं।

शीतली प्राणायाम

शीतली प्राणायाम के अभ्यास से भूख, प्यास कंट्रोल रहती हैं और मन को शांति मिलती है। इसके आसन के अभ्यास से ब्लड प्रेशर काबू में रहता है। इस आसन को करने के लिए सुखासन की मुद्रा में बैठकर श्वास अंदर लें। फिर मुंह बंद करके कुछ देर सांसों को रोक कर रखें। बाद में नाक से श्वास छोड़ें। इस प्रक्रिया को 10-11 बार दोहराएं। शीतली प्राणायाम जैसा की इसके नाम से ही पता चलता है इस प्राणायाम का संबंध शीतलता से है। यह हमारे शरीर को ठंडक प्रदान करता है। इस प्राणायाम को सभी योगासनों के बाद करना चाहिए। ऐसा करने से शरीर की थकान दूर हो जाती है साथ ही मानसिक तनाव दूर हो जाते है। इसके अलावा, यह मन को शांति भी प्रदान करता है। अगर आप तनाव जल्दी ले लेते है या सिर दर्द की समस्या से परेशान है, तो यह आसान आपके लिए बहुत फायदेमंद है।

हंसना मना है

शादी में दुल्हन का बॉयफ्रेंड भी आया था... दुल्हन के पिता- आप कौन हैं? बॉयफ्रेंड- जी मैं सेमी फाइनल में फेल हो गया था ,फाइनल देखने आया हूं।

पप्पू पिंकी से- एक ही कपड़े पहनकर रोज घूमती हो, अजीब नहीं लगता? पिंकी- यह मेरी ऑफिस यूनिफार्म है बेरोजगार आदमी।

बॉयफ्रेंड- मैं हनीमून पर तुम्हें शिमला ले जाऊंगा। गर्लफ्रेंड- सच में? बॉयफ्रेंड- हां गर्लफ्रेंड- पहली Wedding Anniversary पर कहां ले जाओगे? बॉयफ्रेंड- तब शिमला से वापस लाऊंगा।

संता एक बैंक में गया और बोला- मुझे एक ज्वाइंट अकाउंट खुलवाना है! बैंक मैनेजर- किसके साथ? संता- जिसके अकाउंट में खूब सारा पैसा हो। बैंक मैनेजर (गार्ड से)- धक्के मारकर बाहर निकालो इसको।

संता- क्या हुआ क्यों उदास बैठे हो? बंता- कल एक न्यूज चैनल के एंकर ने कहा था आइए हम आपको गोवा लेकर चलते हैं। तभी से तैयार बैठा हूं ,कोई आया ही नहीं।

टीचर- चुनाव कितने चरणों में होता है? पप्पू- चुनाव केवल दो चरणों में होता है। टीचर- कैसे? पप्पू- चुनाव से पहले जनता के चरणों में.. चुनाव के बाद नेता के चरणों में..

कहानी | राजा और मूर्ख बंदर

बहुत पुरानी बात है, एक राजा के पास पालतु बंदर था। राजा उस बंदर पर बहुत विश्वास करता था, क्योंकि वह बंदर राजा का भक्त था। बंदर राजा की पूरे मन से सेवा करता था, लेकिन बंदर बिल्कुल मूर्ख था। उसे कोई भी काम ठीक से समझ नहीं आता था। राजा जब भी विश्राम करता बंदर उसकी सेवा के लिए हाजिर हो जाता था। उसके लिए हाथ पंखा चलाता था। एक दिन की बात है, जब राजा सो रहा था और बंदर उसके लिए पंखा झल रहा था, तभी एक मक्खी भिन भिनाते हुए राज के ऊपर आकर बैठ जाती है। बंदर उस मक्खी को पंखे से बार-बार भागने की कोशिश करता है, लेकिन मक्खी उड़कर कभी राजा की छाती पर, कभी सिर पर, तो कभी जांघ पर जाकर बैठ जाती थी। मूर्ख बंदर काफी समय तक ऐसे ही मक्खी को भागने की कोशिश करता रहा, लेकिन मक्खी वहां से जाने का नाम ही नहीं ले रही थी। यह देखकर बंदर को क्रोध आ जाता है और वह पंखा छोड़कर तलवार निकाल लेता है। जब मक्खी राजा के माथे पर बैठती है, तो बंदर तलवार लेकर राजा की छाती पर चढ़ जाता है। यह देख कर राजा काफी डर जाता है। फिर मक्खी माथे से उड़ जाती है, तो बंदर उसे मारने के लिए हवा में तलवार चलता है। इसके बाद मक्खी राजा के सिर पर जाकर बैठ जाती है, तो बंदर के तलवार से राजा के बाल कट जाते है और जब मूंछ पर बैठती है, तो मूंछ कट जाती है। यह देख राजा कमरे से जान बचाकर भागता है और बंदर तलवार लेकर उसके पीछे भागता है। इससे पूरे महल में उथल-पुथल मच जाती है।

कहानी से सीख-इस कहानी से यह सीख मिलती है कि किसी मूर्ख को ऐसा काम न सौंपे, जो बाद में आपके लिए ही खतरा उत्पन्न कर दें।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष
आज आप माता-पिता के साथ दर्शन के लिए मंदिर जायेंगे। घर में नए मेहमान के आने की संभावना है, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा बन जायेगा।

वृषभ
व्यावसायिक सन्दर्भ में आज आपको कुछ मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। समय पर ढंग से चीजों को पूरा करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करना होगा।

मिथुन
आज आपको किसी शुभ समाचार की प्राप्ति होगी।जीवन में आगे बढ़ने के कई मौके मिलेंगे। इस राशि के जो लोग फ्रीलांस काम करते हैं, उनकी आय में बढ़ोतरी होने की संभावना है।

कर्क
यह खुद को स्थापित करने का अच्छा समय है। बाधाएं और मुश्किलें भी अब दूर होने लगेंगी। आप अपनी बुद्धि और कौशल से अपने प्रतिद्वंद्वियों से आगे निकल जाएंगे।

सिंह
आज जीवनसाथी की मदद मिलने से आपका कोई काम पूरा हो जायेगा। आज दोस्तों की सलाह बड़ी ही फायदेमंद रहेगी। आपको पैसे कमाने का नया जरिया प्राप्त होगा।

कन्या
नए व्यवसाय के लिए यह समय उपयुक्त नहीं है। भावनाओं में ना बहें और किसी पर इतना भी भरोसा ना करें कि वह आगे चलकर आपके लिए मुसीबत बन जाये।

तुला
आज किसी विशेष काम में मित्रों से बेहतर सलाह मिलेगी, जिससे आपका काम आसान होगा। स्वास्थ्य की दृष्टि से आप खुद को आलस्य से भरा हुआ महसूस करेंगे।

वृश्चिक
यह मिश्रित परिणामों वाला दिन है, लेकिन व्यापक स्तर पर चीजें आपके पक्ष में होंगी। कार्य स्थल पर बाधाओं और कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। खर्च बढ़ेंगे।

धनु
आज आपका खुशनुमा व्यवहार घर में रौनक का माहौल बना देगा। नौकरीपेशा लोगों के लिए आज का दिन उत्तम है। उन्हें काम से जुड़ी कोई खास खुशखबरी मिलेगी।

मकर
आज व्यावसायिक संदर्भ में कुछ परेशानियां रह सकती हैं। किन्तु आमदनी में बढ़ोतरी संभव है। वैवाहिक जीवन सुखद एवं अनुकूल रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा।

कुम्भ
आज परिवार में हर्षोल्लास का वातावरण रहेगा। दाम्पत्य जीवन में आपसी सामंजस्य बेहतर रहेगा। सेहत के लिहाज से आप चुस्त-दुरूस्त बने रहेंगे।

मीन
आज आपके सहकर्मी समूह के मध्य आपकी लोकप्रियता में वृद्धि संभव है। व्यावसायिक रूप से चीजें सुचारू रहेंगी और आपको अच्छी प्रगति प्राप्त होगी।

बॉलीवुड | मन की बात

फिल्मों से ज्यादा मुझे संगीत से प्यार है : आयुष्मान खुराना

आयुष्मान खुराना बॉलीवुड के बेहतरीन अभिनेताओं में गिने जाते हैं। उन्होंने बॉलीवुड में अलग जोनर की फिल्में कर खास पहचान बनाई है। साथ ही अभिनेता ने इंडस्ट्री को कई हिट फिल्में दीं। आयुष्मान ने फैंस को विक्की डोनर, बधाई हो, अंधाधुन, ड्रीम गर्ल जैसी फिल्मों में अपने अभिनय से प्रभावित किया है। अब अभिनेता ने खुलासा किया है कि फिल्मों से ज्यादा उन्हें गानों से प्यार है। दरअसल, हाल ही में आयुष्मान खुराना एक कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने अपने करियर और निजी जिंदगी से जुड़ी कई बातों का खुलासा किया। अभिनेता ने बताया कि वह तरह-तरह की फिल्में करते हैं, लेकिन फिल्मों से ज्यादा उन्हें संगीत पसंद है। इस तरह वह एक ऐसे कलाकार हैं, जो अपनी फिल्मों से अधिक संगीत पर ध्यान देते हैं। अपने संगीत की पसंद के बारे में बात करते हुए आयुष्मान खुराना ने खुलासा किया कि संगीत उनका पहला प्यार है। वह हर दिन नए कलाकारों की खोज करते हैं, जिन्हें वह सुन सकें। उन्हें इंडी संगीत, गजल, सूफी आदि बहुत पसंद हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि वह फिल्मों के बिना रह सकते हैं, लेकिन संगीत के बिना नहीं। आयुष्मान ने फिल्म निर्माता बनने के बारे में बात करते हुए कहा कि लोग मान लेते हैं कि उन्हें कला का ज्ञान है तो वह निर्माता भी होंगे। इस पर अभिनेता ने कहा कि अगर आप बहुत सारी फिल्में देखते हैं तो आपको फिल्मों का काफी ज्ञान हो सकता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप उन्हें बना सकते हैं।

'द केरला स्टोरी' की बॉक्स ऑफिस पर रही शानदार ओपनिंग

तमाम विवादों में फंसी 'द केरला स्टोरी' 5 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म की रिलीज से पहले काफी बवाल हो रहा था और कई राजनीतिक पार्टियों ने विरोध करते हुए फिल्म को बैन करने की मांग भी की थी। वहीं अब जब 'द केरला स्टोरी' सिनेमाघरों में पहुंची है तो फिल्म को ऑडियंस का शानदार रिस्पॉन्स मिला है और इसकी ओपनिंग अच्छी रही है। चलिए यहां जानते हैं 'द केरल स्टोरी' ने रिलीज के पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर कितना कारोबार किया है?

रिलीज के पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर 7.5 करोड़ रुपयों का किया कारोबार

सुदीप्तो सेन के डायरेक्शन में बनी 'द केरला स्टोरी' को पहले दिन दर्शकों का काफी प्यार मिला है। लोग फिल्म की तारीफ कर रहे हैं और इसे रियल बेस्ड स्टोरी बता रहे हैं। इसी के साथ 'द केरल स्टोरी' के ओपनिंग डे के शुरुआती आंकड़े भी आ गए हैं। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक 'द केरला स्टोरी' ने अपनी रिलीज के पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर 7.5 करोड़ रुपयों का कारोबार किया है।

क्या है कहानी?

'द केरला स्टोरी' की कहानी केरल की तीन महिलाओं पर बेस्ड है जिनका ब्रेन वॉश कर धर्म परिवर्तन कराया जाता है और कथित तौर पर वे आतंकी संगठन आईएसआईएस में शामिल हो जाती हैं। बता दें कि फिल्म का ट्रेलर रिलीज होने के बाद से ही ये विवादों में आ गई थी। एक समुदाय विशेष ने फिल्म पर आपत्ति जताई थी। यहां तक कि फिल्म की रिलीज की रोक की मांग वाली याचिका भी जमीयत उलेमा ए हिंद ने सुप्रीम कोर्ट में दायर की थी। हालांकि सर्वोच्च अदालत ने याचिका पर विचार से ही इंकार कर दिया था। फिलहाल फिल्म तमाम विवादों के बीच सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है और इसे ऑडियंस का प्यार मिल रहा है।

हालांकि ये अनुमानित आंकड़े हैं ऑफिशियल डाटा आने के बाद इनमें कुछ फेरबदल हो सकता है। वहीं कुछ ट्रेड एनालिस्ट की मानें तो फिल्म वीकेंड में अच्छा कलेक्शन कर सकती है।

स्टार कास्ट

'द केरला स्टोरी' को सुदीप्तो सेन ने डायरेक्ट किया है और इसे विपुल अमृतलाल शाह ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म की स्टार कास्ट की बात करें तो इसमें अदा शर्मा, योगिता बिहानी, सिद्धि इडनानी और सोनिया बलानी ने अहम रोल प्ले किया है. फिल्म में अदा शर्मा की एक्टिंग की काफी तारीफ हो रही है।

मनोज बाजपेयी लेकर आ रहे हैं बंदा

हिलाकर रख देगा कोर्टरूम ड्रामा

मनोज बाजपेयी हिंदी सिनेमा के दिग्गज सितारे हैं। उन्होंने अपनी काबिलियत के दम पर सिनेमा जगत में नाम कमाया है। अभिनेता आज अपना जन्मदिन मना रहे हैं। इस खास मौके पर जी-5 ने अभिनेता की अगली फिल्म बंदा की घोषणा की है। अभिनेता की यह फिल्म जी-5 पर रिलीज होगी। सच्ची घटनाओं से प्रेरित फिल्म बंदा अपूर्व सिंह कार्की द्वारा निर्देशित और दीपक किंगरानी द्वारा लिखित एक पावर-पैक कोर्ट रूम ड्रामा फिल्म है। बंदा जी-5 की एक्सक्लूसिव डायरेक्ट टू डिजिटल फिल्म है।

साइलेंस...कैन यू हियर इट की सफलता के बाद जी-5 के साथ मनोज बाजपेयी की यह तीसरी ओटीटी फिल्म है। बंदा में वह एक मशहूर वकील की

भूमिका निभाते नजर आने वाले हैं, जो सच्चाई और न्याय के लिए सभी बाधाओं के खिलाफ अकेले ही लड़ता है। इस दौरान मनोज बाजपेयी ने कहा, बंदा के लिए जी 5 के साथ अपने तीसरे सहयोग की घोषणा करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। अब हम एक आकर्षक कहानी लेकर आ रहे हैं जो सभी का ध्यान आकर्षित करेगी। मैं इसका बिल्कुल इंतजार नहीं कर सकता हूं। मैं बंदा की एक और झलक पेश करने के लिए उत्साहित हूं, जिसका प्रीमियर जल्द ही जी5 पर होगा।

इस दौरान निर्देशक अपूर्व सिंह कार्की ने कहा, बंदा में सब कुछ है, यह एक हिट करने वाली कहानी है। इसमें मनोज बाजपेयी जैसा शांत मुखर और सपोर्टिंग स्टार कास्ट है। उन्होंने कहा यह फिल्म हर घर तक पहुंचनी चाहिए और जी5 हमारे विजन को दुनियाभर में स्क्रीन पर ले जाने के लिए सही मंच है। वहीं निर्माता विनोद भानुशाली ने कहा, मनोज बाजपेयी जैसे दिग्गज अभिनेता के साथ एक एंटरटेनिंग कोर्टरूम ड्रामा आपको हिलाकर रख देगा। बंदा बहुत जल्द जी-5 पर स्ट्रीम होगी।

अजब-गजब | रहस्य से भरा हुआ है ओडिशा राज्य का चांदीपुर बीच

यहां है दुनिया का सबसे रहस्यमयी समुद्र जिसका पानी देखते ही देखते हो जाता है गायब

भारत में कई ऐसी रहस्यमयी जगहें हैं जिनके रहस्य से आज तक पर्दा नहीं उठ पाया है। हजारों साल बाद भी वैज्ञानिक इन रहस्यों को जानने कोशिश में लगे हुए हैं। इन्ही रहस्यों में ओडिशा का चांदीपुर समुद्र भी शामिल है। सबसे हैरानी वाल बात यह है कि देखते देखते ही चांदीपुर समुद्र का पानी आंखों के सामने से कुछ समय के लिए गायब हो जाता है।

ओडिशा राज्य के बालासोर गांव के पास स्थित चांदीपुर बीच रहस्य से भरा हुआ है। यह एकांत स्थान अद्वितीय बीच है। चांदीपुर बीच से समुद्र का पानी समय-समय पर गायब हो जाता है और फिर कुछ देर बाद नजर आने लगता है। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर से कुछ ही किमी दूर यह रहस्यमयी समुद्र तट स्थित है। इस समुद्र तट का नजारा बेहद अद्भुत है। आइए इस रहस्मयी बीच से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में बताते हैं...चांदीपुर बीच एक एकांत समुद्रतट है। यहां पर समुद्र का पानी कुछ घंटों के लिए अचानक गायब हो जाता है और वापस लौट आता है। यह किसी रहस्य से कम नहीं है। बालेश्वर या बालासोर

स्टेशन से चांदीपुर 30 किमी दूर स्थित है। ओडिशा का बालासोर एक छोटा सा कस्बा है और यहीं पर चांदीपुर बीच स्थित है। इस समुद्र से पानी गायब होने और वापस लौटकर आने की वजह से इसे लुकाछिपी बीच या हाइड एंड सीक बीच के नाम से भी जाना जाता है। चांदीपुर बीच में कैसुरीना पेड़, प्राचीन पानी और रसीला तटीय वनस्पति से घिरा हुआ है, लेकिन यहां पर हर दिन अजीबोगरीब प्राकृतिक घटना घटती है। समुद्र अपना पानी ज्वार के दौरान दिन में दो बार पीछे छोड़ देता है और फिर उच्च ज्वार के दौरान पानी वापस आता है। समुद्र तट के लिए यह घटना अद्वितीय माना जाती है। ज्वार पीछे हटने का कोई निश्चित समय नहीं है। यह चंद्रमा चक्र पर निर्भर है, हालांकि यह घटना हर दिन घटती है। स्थानीय लोगों को निम्न और उच्च ज्वार के समय के बारे में पता है। इस प्राकृतिक घटना की वजह से चांदीपुर बीच दुनिया में बेहद प्रसिद्ध है। समुद्र का पानी जब लौटकर आता है, तो इसके साथ लाल केकड़े भी आते हैं। इस समुद्री बीच को रहस्यमयी कहा जाता है।

दुनिया का भूतिया जंगल जहां हर तरफ हैं सिर्फ लाशें!

दुनिया में कई ऐसी अजीबोगरीब जगहे हैं, जिनकी अक्सर चर्चा होती रहती है। आपने कब्रिस्तान में इंसान की कब्र के ऊपर लगे टॉम्बस्टोन देखा होगा, लेकिन क्या आपने कभी पेड़ों की लाशें देखी हैं? दुनिया में कई ऐसी जगहें हैं, जहां पेड़ों के अवशेष को देखकर लगता है कि वह किसी का शव हों। हम आपको आज एक ऐसी ही जगह के बारे में बताने वाले हैं, जहां हर तरफ पेंड़ों की लाशें पड़ी हैं। इसे लोग भूतिहा जंगल के नाम से जानने लगे हैं। जलवायु परिवर्तन की वजह से दुनियाभर में कई बदलाव देखने को मिलते रहे हैं। बेतहाशा गर्मी बढ़ रही है और ग्लेशियर पिघल रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण अमेरिका में कई जंगल भूतिहा बनते जा रहे हैं। नॉर्थ कैरोलिना और मैसाच्युसेट्स में खासतौर पर ऐसा नजारा देखने को मिल रहा है। समुद्र के जलस्तर में वृद्धि होती जा रही है, जिससे कई शहरों के डूबने का खतरा है। इस तरह समुद्र के किनारे स्थित जंगल भी कब्रिस्तान में बदल रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, समुद्र का जलस्तर तीन गुना तेजी से बढ़ रहा है। इसकी वजह से जंगलों में खारा पानी भर रहा है और पेड़ सूखते जा रहे हैं। वर्जीनिया इंस्टीट्यूट ऑफ मरीन साइंस के इकोलॉजिस्ट मैथ्यू किरवान का कहना है कि पूर्वी तट पर ऐसे भूतिया जंगल अधिक नजर आ रहे हैं। यह साल 15 फीट बढ़ जाते हैं। उन्होंने बताया कि जंगलों में समुद्र का खारा पानी और नमक जाने से पेड़ सूख जाते हैं। पेड़ों के सूखने के बाद उनका ऊपरी हिस्सा नजर आता है, जैसे किसी किसी कब्रिस्तान में टॉम्बस्टोन दिखते हैं। इकोलॉजिस्ट्स का मानना है कि लोग सिर्फ शहरों और जमीनों के डूबने के बारे में सोच रहे हैं। बर्बाद हो रहे जंगलों पर किसी का ध्यान नहीं है। फिलहाल हजारों एकड़ जंगल खत्म होते जा रहे हैं और ना ही इसका कोई उपाय है। इसके अलावा तूफानों और सुनामी के कारण जंगलों में खारा पानी जाता है, जिससे हरे-भरे पेड़ लाश में बदल रहे हैं। हालांकि वैज्ञानिकों को अभी भी उम्मीद है। वन विशेषज्ञों का मानना है कि खारा पानी से दूर पेड़ पौधे लगाते रहना चाहिए, क्योंकि तभी फिर जगंल बन पाएंगे, नहीं तो ऐसे ही भूतिहा जंगल बन जाएंगे और पर्यावरण के लिए खतरा साबित होंगे। भूतिहा जंगलों के पीछे इकोलॉजिकल सिस्टम है जिसको सुधारा जा सकता है।

भाजपा विधायक राणे का दावा, जल्द एनसीपी में शामिल होंगे संजय राउत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। केंद्रीय मंत्री नारायण राणे के बेटे और बीजेपी विधायक नितेश राणे ने नया दावा करके महाराष्ट्र की राजनीति में हंगामा खड़ा कर दिया है। उन्होंने दावा किया सांसद संजय राउत 10 जून तक उद्धव ठाकरे को छोड़ एनसीपी में शामिल हो जाएंगे। उन्होंने दावा किया कि राउत को लग रहा है उद्धव ठाकरे उन्हें अब सांसद नहीं बना पाएंगे, इसलिए वह एनसीपी में अपना भविष्य तलाश रहे हैं, लेकिन उनकी राह में सबसे बड़ा रोड़ा अजित पवार हैं।

बोले- उद्धव ठाकरे की राजनीति खत्म करना चाहते हैं राउत

अजित पवार जैसे ही एनसीपी से बाहर होंगे, वैसे ही राउत एनसीपी में आ जाएंगे। राउत की सारी तैयारी हो चुकी है, इसके लिए ही वे लगातार शरद पवार के पीछे लगे हैं। विधायक नितेश राणे ने कहा कि जब शरद पवार साहब ने एनसीपी अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया, तो देशभर के सभी विपक्षी नेताओं ने उन्हें फोन किया। केवल उद्धव ठाकरे ही ऐसे थे, जिन्होंने फोन नहीं किया। राणे ने कहा कि संजय राउत ही उद्धव ठाकरे को शरद पवार से नहीं मिलने देते।

राणे ने कहा कि मैंने पहले ही कहा था कि मुंबई में एक मई को आयोजित की गई महा विकास आघाडी की वज्रमूठ सभा आखिरी थी, लेकिन तब सभी ने मेरी बात को हल्के में लिया, लेकिन अब वह खुद कह रहे हैं कि अब कोई वज्र मूठ सभा नहीं होगी। नितेश ने दावा किया है कि संजय राउत एनसीपी की वर्षगांठ पर या 10 जून से पहले एनसीपी में शामिल होंगे। संजय राउत को उद्धव ठाकरे के साथ रहने में कोई दिलचस्पी नहीं है। उद्धव ठाकरे की अब कोई पार्टी नहीं है। वह उन्हें दोबारा सांसद नहीं बना सकते। इसलिए संजय राउत ने उन्हें एनसीपी में लेने का प्रस्ताव दिया है। पिछले कुछ दिनों में इस संबंध में संजय राउत की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के साथ कई बैठकें हो चुकी हैं। नितेश राणे ने दावा किया कि अगर अजित पवार एनसीपी छोड़ देते हैं तो संजय राउत ने तुरंत पार्टी में शामिल होने के लिए अपनी तत्परता दिखाई है।

संजय राउत एक सांप

बीजेपी विधायक ने कहा, शरद पवार ने इस्तीफा दिया, तो विपक्ष के सभी नेताओं ने शरद पवार को इस्तीफा न देने के लिए कहा। लेकिन मैंने कहीं भी नहीं पढ़ा या देखा कि उद्धव ठाकरे ने फोन किया या पूछा। उन्हें इस्तीफा नहीं देना चाहिए। इसलिए संजय राउत उद्धव ठाकरे को राजनीतिक तरीके से खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। मैं उद्धव ठाकरे को सिर्फ यह बताना चाहता हूं कि संजय राउत एक सांप हैं।

अनिल दुजाना के नंबरों की पड़ताल

मंत्री, प्रधान और चेयरमैन के नाम से करवाता था अपराध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दिल्ली। मेरठ में मुठभेड़ में गैंगस्टर अनिल दुजाना के मारे जाने के बाद एसटीएफ ने जांच और संदिग्ध नंबरों की पड़ताल कर गिरोह के गुर्गों और अन्य का चिट्ठा जुटा लिया है। अनिल दुजाना ने रियासत की तर्ज पर वेस्ट यूपी ही नहीं हरियाणा व दिल्ली तक नेटवर्क खड़ा किया। पूर्वी यूपी में भी बांदा व महाराजागंज जेल में रहने के दौरान पूर्वी यूपी तक जाल फैलाया।

पता चला है कि दुजाना ने जिस कस्बे या शहर के बदमाश को रखकर रंगदारी व चौथ वसूली की जिम्मेदारी सौंपी गई, उनका नाम राजनीति की तर्ज पर मंत्री, प्रधान और चेयरमैन रख दिया। इनमें अधिकांश अनिल दुजाना के दिल्ली जेल से छूटने के 25 दिन तक उसके किसी तरह न किसी तरह संपर्क में आए थे। अब एसटीएफ व इनपुट पर कई जिलों की पुलिस इन गुर्गों की तलाश में जुट गई है। संभावना है कि आने वाले दिनों में गिरोह से जुड़े अपराधियों की गिरफ्तारी हो सकती है। अनिल दुजाना के एनकाउंटर में मारे जाने के बाद आशंका है कि गिरोह के 150 से अधिक बदमाश कमान संभालने व सौंपने की गुपचुप तैयारी में जुटे हो सकते हैं। पूर्व में किसी बड़े गिरोह के मुखिया के एनकाउंटर में मारे जाने के बाद दूसरे बदमाश कमान संभालने से पहले बड़ी वारदातों को अंजाम देते रहे हैं।

राजमार्ग के बाद एक्सप्रेसवे के किनारे कस्बों में फैलाया जाल

अब तक की जांच में जिन आरोपियों के संबंध की जानकारी मिली है, उन्हें संबंधित जिले के पुलिस अधिकारियों को भी अवगत करा दिया है। उधर, अनिल दुजाना ने सबसे पहले अपनी पकड़ गाजियाबाद- बुलंदशहर राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे स्थित कस्बों में बनाई थी। यहां पकड़ बनने के बाद आरोपी ने ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे के अलावा अन्य हाईवे के किनारे के कस्बे व शहर में को उनकी नेटवर्क खड़ा कर दिया। यहां बदमाशों को जिम्मेदारी देकर दुजाना इनसे बराबर का हिस्सा लेता था। इसके बदले जरूरत पड़ने पर अपने गिरोह के अन्य सदस्यों को उनकी मदद के लिए भेज देता था। जेल से जमानत पर आने के बाद अनिल दुजाना ने सबसे संपर्क कर हिसाब लिया और आने वाले समय में चौथ वसूली व जमीन कब्जाने एवं छुड़ाने के संबंध में भी साजिश तैयार की थी।

यूपी में फिल्म कलाकारों की समस्याओं का निराकरण हो : रंजीत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। फिल्म निर्माता व बीजेपी नेता रंजीत शर्मा ने यूपी में फिल्म कलाकारों की समस्याओं का निराकण करने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी व सीएम योगी को ज्ञापन भेजा है। रंजीत ने बताया कि पिछले दो महीने से प्रदेश में फिल्म कलाकारों की सिंगल विंडो क्लीयरेंय ठप पड़ा है।

एक साल से कोई स्क्रिप्ट अपलोड नही हो रही है। 2022-23 में किसी फिल्म को सब्सिडी नहीं मिली है। इन सब वजहों से कलाकार निराश हो गए हैं। शर्मा ने बताया कि ऐस लगता है फिल्म पालिसी दम तोड़ने लगी है। उन्होंने का कि जो फिल्में कलाकार बनाते हैं वो समाज में सकारात्मक संदेश तो देते हुए मानव जीवन को तनाव से मुक्त भी करते है। उन्होंनें प्रदेश सरकार से अपील की तुरंत उनकी मांगों पर सकारात्मक कदम उठाए और उनके जीवन को बचाएं।

मणिपुर में अब तक 100 की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। मणिपुर में हुई जातीय हिंसा में मरने वालों की संख्या को लेकर पहली बार आधिकारिक आंकड़ा जारी किया गया है।

राज्य सरकार के नए सुरक्षा सलाहकार ने बताया कि मणिपुर में 3 मई से अब तक जातीय संघर्ष में कम से कम 30 लोगों की मौत हुई है। हालांकि अपुष्ट रिपोर्टों ने इस गिनती को 100 से अधिक बताया गया है। इसके अलावा हिंसा में 200 से अधिक घायल हुए हैं।

वहीं इंफाल घाटी में रविवार को जनजीवन सामान्य होता नजर आया क्योंकि दुकानें और बाजार फिर से खुले और सड़कों पर कार भी चलती दिखीं।

फोटो : 4पीएम

शुभारंभ लखनऊ। गोमती नगर के विभूति खंड स्थित होटल फेयरफील्ड बाय मैरियट में रविवार से राजस्था हह्हनी फूड फेस्टिवल का शुभारंभ हुआ।

सुकमा में दो नक्सली ढेर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के भेजा इलाके में जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के जवानों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में दो नक्सली मारे गए। इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

मुठभेड़ में सुरक्षा बल ने आठ लाख के इनामी गोलापल्ली एलओएस कमांडर मुडकम एर्रा व एलओएस सदस्य भेमी को मार गिराया है। सुकमा पुलिस ने कहा, मुठभेड़ में दो नक्सली मारे गए हैं। पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा खुद पूरे अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं। सुकमा के एसपी सुनील शर्मा ने बताया कि इससे पहले एक मई को नक्सलियों ने सुकमा जिले के इट्टापारा इलाके में निर्माण कार्य में लगे दो टिप्पर ट्रकों में आग लगा दी थी।

बड़े भाई पर भारी पड़ा छोटा भाई

गुजरात टाइटंस ने लखनऊ सुपर जाएंट्स को 56 रनों से हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। आईपीएल में रविवार (सात मई) को पहली बार दो भाई एक मैच में कप्तान के तौर पर उतरे। गुजरात टाइटंस के हार्दिक पांड्या और लखनऊ सुपर जाएंट्स के क्रूणाल पांड्या आमने-सामने हुए। इस मुकाबले में हार्दिक ने बड़े भाई को हराकर बाजी मार ली। गुजरात ने 56 रन से बड़ी जीत हासिल की। उसने प्लेऑफ में अपनी जगह लगभग पक्की कर ली है। लखनऊ के कप्तान क्रूणाल पांड्या ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया।

क्रूणाल का यह निर्णय गलत साबित हुआ। गुजरात ने 20 ओवर में दो विकेट पर 227 रन बनाए। जवाब में लखनऊ की टीम 20 ओवर में सात विकेट पर 171 रन ही बना सकी। गुजरात के 11 मैच में 16 अंक हो गए हैं। गुजरात की यह आठवीं जीत है। उसे इस सीजन में सिर्फ तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। दूसरी ओर, लखनऊ की 11 मैच में यह पांचवीं हार है। उसे पांच जीत मिली है। एक मैच में नतीजा नहीं निकला है। लखनऊ के 11 अंक हैं और वह तीसरे पायदान पर है।

लखनऊ का मध्यक्रम हुआ फेल

लखनऊ के मध्यक्रम में इस मैच में खराब प्रदर्शन किया। दीपक हुड्डा 11, मार्कस स्टोइनिस चार और निकोलस पूरन तीन रन बनाकर आउट हुए। आखिरी ओवरों में इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे आयुष बदोनी ने थोड़ा प्रयास किया, लेकिन तब तक मैच हाथ से निकल चुका था। बदोनी ने 11 गेंद पर 21 रन बनाए।

गुजरात के गेंदबाजों ने किया कमाल

हार्दिक पांड्या के गेंदबाजों ने इस मैच में भी शानदार प्रदर्शन किया। इस सीजन से वापसी करने वाले मोहित शर्मा ने एक बार फिर प्रभावित किया। उन्होंने चार ओवर में 29 रन देकर चार विकेट लिए। मोहित ने कायेल मेयर्स, मार्कस स्टोइनिस, आयुष बदोनी और कृणाल पांड्या को आउट किया। मोहम्मद शमी, नूर अहमद और राशिद खान को एक-एक सफलता मिली।

पहलवानों के साथ आए किसान सरकार को दी चेतावनी

खाप पंचायत ने दिया 15 दिन का समय, जल्द मिले बेटियों को न्याय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जंतर-मंतर पर पहलवानों का धरना प्रदर्शन पिछले 16 दिनों से जारी है। पहलवान भारतीय कुश्ती संघ प्रमुख और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ धरना दे रहे हैं। पहलवानों की मांग है कि बृजभूषण को गिरफ्तार किया जाए। साथ ही वह इस्तीफा भी दें। किसान बृजभूषण सिंह के विरोध में शीर्ष पहलवानों के साथ शामिल हो गए हैं और केंद्र सरकार को अल्टीमेटम दिया। खाप पंचायत के नेताओं ने प्रदर्शनकारी पहलवानों के साथ सरकार को भाजपा सांसद बृजभूषण सिंह के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए 15 दिन की समय सीमा दी। उन्होंने कुश्ती संघ चीफ की गिरफ्तारी की मांग की है।

इस बीच ओलंपिक में कांस्य पदक जीत चुके पहलवान बजरंग पूनिया के एक पोस्ट ने तहलका मचा दिया है। बजरंग ने विरोध-प्रदर्शन के बीच कर्नाटक चुनाव को लेकर इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी लगाई और हंगामा होने पर बाद में उसे डिलीट भी कर दिया। बजरंग पुनिया ने जो स्टोरी लगाई, उसमें भगवान हनुमान का एक उदाहरण दिया गया है और लिखा है- मैं बजरंगी हूं। मैं बजरंग दल का समर्थन करता हूं। जय श्री राम। पोस्ट में एक कैप्शन भी था जिसमें तस्वीर को अपने-अपने व्हाट्सएप स्टेटस और डिस्प्ले पिक्चर पर लगाने की अपील की गई थी।

सुरक्षा इंतजाम चाक-चौबंद

जंतर मंतर पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है और विरोध स्थल पर गतिविधियों पर सीसीटीवी के माध्यम से 24 घंटे नजर रखी जा रही है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वहां कोई अप्रिय घटना न हो। अब किसानों के इस धरने में शामिल होने से प्रदर्शन को और बल मिला है।

अगर मैं दोषी पाया गया तो, मार-मार कर मेरी हत्या कर देना : बृजभूषण

किसानों के समर्थन के एलान के बाद कुश्ती संघ अध्यक्ष बृजभूषण ने वीडियो मैसेज जारी किया। उन्होंने कहा- खाप के मेरे चाचा-ताऊ, मैं आपको दिल्ली आने से नहीं रोक रहा, लेकिन जिस दिन दिल्ली पुलिस की जांच पूरी होगी और अगर मैं दोषी पाया गया तो मैं आप सब के बीच खुद आउंगा। आप सब जूते मार-मार कर मेरी हत्या कर देना। आपसे भी विनती है कि आपके गांव से कोई बच्चा, महिला, लड़की कुश्ती खेलती हो तो उनसे एक मिनट के लिए अकेले में ले जाकर पूछ लेना कि बृजभूषण पर जो आरोप लगे हैं, क्या वह ऐसे ही हैं? आपसे यही कहना चाहता हूं कि बच्चे गलती करते हैं, आप न करो।

आनंद मोहन की रिहाई पर सुप्रीम सुनवाई

बिहार सरकार से दो हफ्ते में मांगा जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बाहुबली और पूर्व सांसद आनंद मोहन की रिहाई के विरोध में आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने बिहार सरकार और आनंद मोहन को नोटिस की है। इस मामले पर दोनों से जवाब मांगा है। कोर्ट ने इस मामले में 2 हफ्ते में जवाब देने का निर्देश दिया है। साथ ही बिहार सरकार को रिहाई से जुड़े रिकॉर्ड देने को भी कहा है।

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जेके माहेश्वरी की बेंच में इस मामले में सुनवाई की। आनंद मोहन के खिलाफ कोर्ट में जी कृष्णैय्या की पत्नी उमा देवी ने याचिका दायर की है। उमा देवी ने आनंद मोहन की रिहाई को लेकर बिहार सरकार द्वारा कानून में किए गए संशोधन को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। 3 मई को उमा कृष्णैय्या ने कहा कि मुझे न्यायपालिका पर भरोसा है। वह जरूर इस केस में न्याय करेंगे। उनका कहना है कि जब आनंद मोहन को आजीवन कारावास की सजा हुई तो उनकी रिहाई 15 साल में कैसे हो गई। कोर्ट से अपील है कि वह मामले पर गंभीरता से विचार करे।

अफसरों के मनोबल पर काफी असर पड़ा : उमा

उमा कृष्णैय्या ने याचिका दायर करने के सवाल पर कहा कि हमने व्यक्तिगत रूप से सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर नहीं की है बल्कि आईएएस अफसरों ने की है। मैं यह लड़ाई नहीं लड़ रही, क्योंकि हमें सपोर्ट करने वाला कोई नहीं है। उमा कृष्णैय्या ने स्पष्ट कहा कि मुझे नीतीश सरकार से कुछ नहीं चाहिए। सरकार आनंद मोहन की रिहाई पर फिर से विचार करे। इस फैसले से आईएएस अफसरों के मनोबल पर काफी असर पड़ा है।

केरल नाव हादसे में 22 की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोच्चि। केरल में एक डबल डेकर टूरिस्ट नाव के पलट जाने से कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई। इस बारे में अधिकारियों ने भी जानकारी मुहैया कराई। ये दर्दनाक हादसा रविवार देर रात मलप्पुरम जिले के तनूर में हुआ।

दर्जनों लोगों ने रात के दौरान भी क्षतिग्रस्त नाव में और उसके आसपास जीवित बचे लोगों की तलाश की। कुछ ने जहाज को स्थिर करने के लिए रस्सियों का इस्तेमाल किया जबकि अन्य लोग पानी में थे। तनूर पुलिस स्टेशन के एक पुलिस अधिकारी ने एएफपी को बताया, कि हमने 22 शव बरामद किए हैं, जिनमें 15 महिलाएं और सात पुरुष शामिल हैं. अस्पताल में करीब छह लोग हैं और बचाव अभियान जारी है, अधिकारी ने बताया कि विमान में करीब 30 लोग सवार थे. लोकल मीडिया ओनमनोरमा ने बताया कि दुर्घटना में तीन बच्चों सहित एक परिवार के 11 लोगों की मौत हो गई थी।

अमृतसर में धमाका, लोगों में दहशत

श्री हरमंदिर साहिब के पास करीब 30 घंटे बाद फिर हुआ विस्फोट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमृतसर। अमृतसर में श्री हरमंदिर साहिब के पास सारागढ़ी पार्किंग के निकट शनिवार देर रात धमाके की जांच अभी चल ही रही थी कि सोमवार सुबह करीब साढ़े छह बजे एक बार फिर वहीं धमाका हो गया। इसमें एक व्यक्ति के घायल होने की सूचना है। धमाके के वक्त वहां बहुत ज्यादा लोग मौजूद नहीं थे और आवाजाही भी बहुत कम थी। वहीं दूसरे धमाके की जानकारी मिलते ही पुलिस के सीनियर अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे।

फोरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंच गई और घटनास्थल से कई सैंपल कब्जे में लिए गए हैं। घटनास्थल पर एक कार खड़ी थी, जिसके शीशे टूट गए हैं। पुलिस ने आसपास के इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज लेने के बाद उसकी जांच शुरू कर दी है। करीब 30 घंटे में दूसरे धमाके से लोगों में दहशत फैल गई है। दूसरा धमाका भी वहीं हुआ जहां पहला ब्लास्ट हुआ था। इससे लोगों में डर का माहौल है। जानकारी के मुताबिक शनिवार देर रात सचखंड श्री हरिमंदिर साहिब आने वाले श्रद्धालुओं की ओर से हैरिटेड स्ट्रीट में बैठ कर कीर्तन श्रवण किया जा रहा था। इस दौरान देर रात करीब साढ़े ग्यारह बजे एक धमाका हो गया था।

धुएं से आ रही थी पोटाश की बदबू

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक घटनास्थल से चारों तरफ करीब 10 से 15 मिनट तक धुएं से पोटाश की बदबू आती रही थी। वहीं पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंच कर जांच शुरु कर दी। इस दौरान ही धमाके की एक सीसीटीवी फुटेज सामने आ गई, जिसमें धमाके के बाद धुएं का गुब्बार हवा में उठता दिखाई दे रहा है। एडीसीपी सिटी-1 डा. मेहताब सिंह और एसीपी सेंट्रल सुरिंदर सिंह ने घटनास्थल का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। वहीं डिप्टी कमिश्नर आफ पुलिस (कानून-व्यवस्था) परमिंदर सिंह भंडाल ने बताया कि लोकल फोरेंसिक टीम को मौके से 5-7 छोटे-छोटे टुकड़े (पार्टिकल) मिले हैं।इ

बारिश के बाद हुआ मौसम सुहावना, झूमे लोग

लखनऊ में सुबह से चल रही थीं ठंडी हवाएं, गर्मी से मिली राहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सुबह से पड़ रही चिलचिलाती धूप से घरों में सिमटे लोगों को दोपहर आते-आते रिमझिम बारिश के फुहारों से काफी राहत मिली। प्रदेश के कई शहरों समेत राजधानी में जमकर वर्षा हुई। वर्षा के होते ही लोगों ने सुहावने मौसम का आंनद लिया। उत्तर प्रदेश में पिछले कुछ दिनों में बारिश और ठंडी हवा से मौसम सुहावना बना हुआ हैं। सोमवार को सुबह से लखनऊ में तेज व ठंडी हवाएं चल रही थी। हालांकि धूप भी तेज थी। वहीं कहीं-कहीं बादल भी छाए रहे।

उधर दिल्ली में सोमवार सुबह मौसम सुहाना रहा और न्यूनतम तापमान इस मौसम के औसत से चार डिग्री सेल्सियस कम 20.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सुबह साढ़े आठ बजे सापेक्षिक आर्द्रता 88 प्रतिशत दर्ज की गई, मौसम विभाग ने दिन में आंशिक रूप से बादल छाए रहने का अनुमान जताया है। और छिटपुट बारिश होने और तेज हवाएं चलने की संभावना जताई है, अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है, दिल्ली में रविवार को आंधी आई थी और हल्की बारिश हुई थी, सफदरजंग वेधशाला ने सोमवार सुबह आठ बजकर पांच मिनट तक पांच मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। आईएमडी के मुताबिक, सोमवार को दिल्ली में 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज़ सतही हवाओं के साथ आंशिक रूप से बादल छाए रहने का अनुमान है। इस दौरान अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमश 38 और 23 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रहने की संभावना ह। दिल्ली में शनिवार को न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 35.1 डिग्री दर्ज किया गया था।

फोटो: सुमित कुमार

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।